अध्याय– चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय– चतुर्थ

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.1 भूमिका

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या शोध प्रक्रिया के आगमन तथा निगमन तर्क के प्रयोगों को व्यक्त करती है। स्वनिर्मित परिकल्पना हेतु प्रदत्तों का समूह व उपसमूह में विभाजन कर विश्लेषण तथा अंतिम परिणाम ज्ञात किया जाता है। जो नवीन सिद्धांत की खोज अथवा सामान्यीकरण के रूप से होता है। प्रदतों के विश्लेषण के अन्तर्गत उनकी उपलब्धियों की तुलना अनेक परीक्षण द्वारा कर शोध के उद्देश्यों का निर्णय प्राप्त निष्यतियों द्वारा किया जाता है।

4.2 परिकल्पनाओं का परीक्षण –

प्रस्तुत शोध अध्ययन में की गई परिकल्पनाओं के जांच के लिए सांख्यिकीय विधियों में मध्यमान, प्रमाण विचलन, परीक्षण एवं F परीक्षण का आधार लिया गया है तथा इन सांख्यिकीय विधियों के आधार पर परिणामों की व्याख्या की जाती है, जो निम्नस्थ है।

➢ अभिवृत्ति अंक का विश्लेषण

तालिका क्रमांक 4.1

प्रशिक्षणार्थी की संख्या	प्रति TAI का गुण	कुल गुण	प्राप्त गुण
150	360	54000	33563

➢ चरों के आधार पर प्राप्तांक का विश्लेषण

तालिका क्रमांक 4.2

लिंग	जाति	क्षेत्रिय स्थिति	शैक्षिक स्तर	कॉलेज का प्रकार	विषय
छात्र– 15920 छात्राओं– 17643	Sc-3824 St.-2893 Obc-16339 Gen-10507	ग्रामिण–14792 शहरी–18771	स्ना–16421 अनुस्ना–17142	शास–16000 अशास–17563	भाषा–17613 सा.वि.–8512 वि.–7438
कुल–33563	33563	33563	33563	33563	33563

परिकल्पना–1

"शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के लिंग के आधार पर उनके अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।"

तालिका क्र.4.1

लिंग	संख्या (N)	प्राप्तांक	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	युक्तांश (df)	टी मूल्य 't'	सार्थकता स्तर
छात्र	73	15920	218.08	36.17	148	1.827	0.07
छात्राएँ	77	17643	229.13	37.79			

तालिका क्रमांक–4.3 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि

- छात्रों की संख्या (N)= 73 का मध्यमान (M) = 218.08 मानक विचलन (S.D.) =36.17
- छात्राओं की संख्या (N)=77 का मध्यमान (M)= 229.13 एवं मानक विचलन (S.D.)= 37.79 है।

- छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक अभिवृत्ति का टी. मूल्य 1.827 है, यह मान 0.05 पर 1.98 से कम होने के कारण यह अंतर सार्थक नहीं है अतः इस परिकल्पना का 0.01 एवं 0.05 स्तर पर परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

अतः उपरोक्त परिणाम के आधार पर प्रथम परिकल्पना ''शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के लिंग के आधार पर उनके अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।'' को स्वीकृत किया जाता है।

निष्कर्षः—

उपरोक्त परिणामों से यह निष्कर्ष निकलता है कि शिक्षक प्रशिक्षणार्थी का भेद के छात्र एवं छात्राओं की शैक्षिक अभिवृत्ति के मध्य कोई अंतर नहीं है।

परिकल्पनाः2

"शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के जाति के आधार पर उनके अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।"

तालिका क्रमांक 4.4

लिंग	संख्या (N)	प्राप्तांक	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	युक्तांश (df)	एफ. मूल्य 'f'	सार्थकता स्तर
एस.सी.	18	3824	206.64	32.53	146	1.985	0.119
एस.टी.	14	2893	212.44	27.61			
ओ.बी.सी.	72	16339	226.93	34.91			
सामान्य	46	10507	228.41	42.44			

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.4 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि–

- एस.सी. जाति के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की संख्या (N)= 18 का मध्यमान (M) = 206.64 मानक विचलन (S.D.) =32.53 है।
- एस.टी. जाति के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की संख्या (N)= 14 का मध्यमान (M) = 212.44 मानक विचलन (S.D.) =27.61 है।

- ओ.बी.सी. जाति के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की संख्या (N)= 72 का मध्यमान (M) = 226.93 मानक विचलन (S.D.) = 34.91 है।
- सामान्य जाति के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की संख्या (N)= 46 का मध्यमान (M) = 228.41 मानक विचलन (S.D.) = 42.44 है।
- एस.सी., एस.टी., ओ.बी.सी. एवं सामान्य जाति के शिक्षक प्रशिक्षण की शैक्षिक अभिवृत्ति का एफ मूल्य 0.119 है। यह मान 0.05 पर 2.66 से कम होने के कारण यह अंतर सार्थक नहीं है। अतः 0.05 स्तर पर यह परिकल्पना स्वीकृत की जाति है।

उपरोक्त परिणामों के आधार पर दूसरी परिकल्पना "शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के जाति के आधार पर उनके अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।" को स्वीकृत किया जाता है।

निष्कर्षः–

उपरोक्त परिणामों से यह निष्कर्ष निकलता है कि शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक अभिवृति में जाति के आधार पर सार्थक अंतर नहीं है।

परिकल्पना–3

"शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के कॉलेज के प्रकार के आधार पर उनके अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।"

तालिका क्रमांक– 4.5

क्षेत्रीय स्थिति	संख्या (N)	प्राप्तांक	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	युक्तांश (df)	टी मूल्य 't'	सार्थकता स्तर
शहरी	82	18771	228.91	39.02	148	1.877	0.063
ग्रामीण	68	14792	217.53	34.37			

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.5 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि–

- शहरी प्रशिक्षणार्थियों की संख्या (N)= 82 का मध्यमान (M) = 228.91 मानक विचलन (S.D.) =39.02 है।
- ग्रामीण प्रशिक्षणार्थियों की संख्या (N)= 68 का मध्यमान (M) =217.53 मानक विचलन (S.D.) =34.37 है।
- शहरी एवं ग्रामीण प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति का टी मूल्य 1. 877 है। यह मान 0.05 पर 1.98 से कम होने के कारण यह अंतर

सार्थक नहीं है। अतः 0.01 एवं 0.05 स्तर पर इस परिकल्पना को स्वीकृत की जाती है।

अतः उपरोक्त परिणामों के आधार पर तीसरी परिकल्पना "शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के कॉलेज के प्रकार के आधार पर उनके अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।" को स्वीकृत किया जाता है।

निष्कर्षः–

उपरोक्त परिणामों से यह निष्कर्ष निकलता है कि शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति में उनकी क्षेत्रीय स्थिति शहरी एवं ग्रामीण के मध्य कोई सार्थक अंतर नहीं है।

परिकल्पना–4

"शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षिक स्तर के आधार पर उनके अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।"

तालिका क्रमांक 4.6

शैक्षिक स्तर	संख्या (N)	प्राप्तांक	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	युक्तांश (df)	टी मूल्य 't'	सार्थकता स्तर
स्नातक	76	16421	216.07	35.90	148	2.607	0.01
अनुस्नातक	74	17142	231.65	37.30			

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.6 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि

- स्नातकोत्तर प्रशिक्षणार्थियों की संख्या (N)= 76 का मध्यमान (M) =216.07 मानक विचलन (S.D.) =35.90 है।
- अनुस्नातकोत्तर प्रशिक्षणार्थियों की संख्या (N)= 74 का मध्यमान (M) = 231.65 मानक विचलन (S.D.) =37.30 है।
- स्नातक एवं अनुस्नातक शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति का टी. मूल्य 2.60 है यह मान 0.05 पर 1.98 से ज्यादा होने के कारण प्रस्तुत परिकल्पना को 0.05 स्तर पर अस्वीकृत की जाती है।

➢ सार्थक्ता मान 0.01 पर 2.61 से कम होने के कारण प्रस्तुत परिकल्पना को 0.01 स्तर पर स्वीकृत की जाती है।

उपरोक्त परिणामों के आधार पर चौथी परिकल्पना ''शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के शैक्षिक स्तर के आधार पर उनके अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।'' को 0.05 अस्वीकृत तथा 0.01 पर स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्षः–

उपरोक्त परिणामों से यह निष्कर्ष निकलता है कि शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति में शैक्षिक योग्यता के मध्य कोई सार्थक अंतर है।

(**नोटः–** प्रस्तुत शून्य परिकल्पना के लिए सार्थकता स्तर 0.05 को लिया गया है।)

परिकल्पना–5

"शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के कॉलेज के प्रकार के आधार पर उनके अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।"

तालिका क्र.4.7

कॉलेज के प्रकार	संख्या (N)	प्राप्तांक	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	युक्तांश (df)	टी मूल्य 't'	सार्थकता स्तर
शासकीय	75	16000	234.17	38.19	148	3.552	0.007
अशासकीय	75	17563	213.33	33.51			

उपरोक्त तालिका क्रमांक–4.7 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि

- शासकीय शिक्षक– प्रशिक्षण कालेज के प्रशिक्षणार्थियों की संख्या (N)= 75 का मध्यमान (M) = 234.17 मानक विचलन (S.D.) =8.19 है।
- अशासकीय शिक्षक– प्रशिक्षण कालेज के प्रशिक्षणार्थियों की संख्या (N)= 75 का मध्यमान (M) =213.33 मानक विचलन (S.D.) =33.51 है।

- शासकीय एवं अशासकीय प्रशिक्षक–प्रशिक्षण कालेज के प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति का टी मूल्य 3.552 है। यह मान 0.01 पर 2.61 तथा 0.05 पर 1.98 से ज्यादा होने के कारण यह अंतर सार्थक है। अतः 0.01 एवं 0.05 स्तर पर इस परिकल्पना को अस्वीकृत की जाती है।

अतः उपरोक्त परिणामों के आधार पर पांचवी परिकल्पना शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के कालेज के प्रकार के आधार पर उनकी अध्यापन संबंधी अभिवृत्तिओं में कोई सार्थक अन्तर नहीं होगा।'' को अस्वीकृत किया जाता है।

निष्कर्ष–

उपरोक्त परिणामों से यह निष्कर्ष निकलता है कि शासकीय एवं अशासकीय शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति में कालेज के प्रकारों के मध्य अंतर है।

परिकल्पना–6

"शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के विषयगत आधार पर उनके अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।"

तालिका क्रमांक 4.8

विषय	संख्या (N)	प्राप्तांक	मध्यमान (M)	मानक विचलन (S.D.)	युक्तांश (df)	टी मूल्य 't'	सार्थकता स्तर
भाषा	79	14613	222.95	36.35			
सामाजिक विज्ञान	40	8512	212.80	33.87	147	4.904	0.009
विज्ञान	31	7438	239.94	33.99			

उपरोक्त तालिका क्रमांक 4.8 का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि–

➢ भाषा किस विषय के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की संख्या (N)= 79 का मध्यमान (M) = 222.95 मानक विचलन (S.D.) = 36.35 है।

- सामाजिक विज्ञान विषय के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की संख्या (N)= 40 का मध्यमान (M) = 212.80 मानक विचलन (S.D.) =33.87 है।
- विज्ञान विषय के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों संख्या (N)= 37 का मध्यमान (M) = 239.94 मानक विचलन (S.D.) =33.99 है।
- भाषा, सामाजिक विज्ञान एवं विज्ञान विषयों के शिक्षक– प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति का एफ. मूल्य 4.904 है। यह मान 0.01 पर 4.75 तथा 0.05 पर 3.06 से ज्यादा होने के कारण यह अंतर सार्थक है। अतः 0.01 एवं 0.05 स्तर पर यह परिकल्पना को स्वीकृत की जाती है।

उपरोक्त परिणामों के आधार पर छठवी परिकल्पना ''शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के विषयगत आधार पर उनके अध्यापन संबंधी अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।'' को अस्वीकृत किया जाता है।

निष्कर्षः–

उपरोक्त परिणामों से यह निष्कर्ष निकलता है कि शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक अभिवृत्ति में विषयगत प्रभावों में सार्थक अंतर है।

4.3 शोध परिकल्पना का परिणामः–

- शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की लिंग के आधार पर अध्यापन अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है।
- शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की जाति के आधार पर अध्यापन अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है।
- शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की क्षेत्रीय स्थिति के आधार पर अध्यापन अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं है।
- शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की शैक्षिक स्तर के आधार पर अध्यापन अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर है।
- शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की कॉलेज के प्रकार के आधार पर अध्यापन अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर है।
- शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की विषयगतता के आधार पर अध्यापन अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर है।

Regional Institute of ... LIBRARY Bhopal